

VPG (1)-S (3)

( 2 )

2017-19

Full Marks : 70

Time : 3 hours

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें जिसमें प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

उपान्त के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।

परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रदत्तोत्तर विकल्पेषु एकं शुद्धमुत्तरं देयम् :  
7 x 2

(क) साधनचतुष्टय सम्पन्नः प्रमाता भवति :

- |              |              |
|--------------|--------------|
| (i) ब्रह्म   | (ii) अधिकारी |
| (iii) ईश्वरः | (iv) अध्यासः |

(ख) 'सतत्वतोऽन्यथाप्रथा' भवति :

- |              |              |
|--------------|--------------|
| (i) विवर्तः  | (ii) विकारः  |
| (iii) समवायः | (iv) अज्ञानं |

(ग) वेदान्तस्य अनुबन्धानां संख्याः सन्ति :

- |               |             |
|---------------|-------------|
| (i) द्वे      | (ii) त्रीणि |
| (iii) चत्वारि | (iv) पञ्च   |

(घ) सांख्यकारिकायाः प्रणेता कः ?

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (i) ईश्वरकृष्णः | (ii) केशवमिश्रः |
| (iii) सदानन्दः  | (iv) भर्तृहरिः  |

(ङ) दुःखं कति विधम् ?

- |                  |                |
|------------------|----------------|
| (i) द्विविधम्    | (ii) त्रिविधम् |
| (iii) चतुर्विधम् | (iv) पञ्चविधम् |

(च) 'यथार्थोऽनुभवः' भवति :

- |              |            |
|--------------|------------|
| (i) विपर्ययः | (ii) संशयः |
| (iii) अप्रमा | (iv) प्रमा |

( Turn Over )

VPG (1)-S (3)

( Continued )

( 3 )

( छ ) तर्कभाषायां कारणं कति विधं कथितं ?

- (i) द्विविधम् (ii) त्रिविधम्  
(iii) चतुर्विधम् (iv) पञ्चविधम्

2. वेदान्तसारमनुसृत्य अनुबन्धचतुष्टयं प्रतिपादनीयम् । 14  
http://www.vbuonline.com  
3. पञ्चीकरणस्य प्रक्रिया वर्णनीया । 14  
4. सांख्यसम्मतं सत्कार्यवादस्य समीक्षा करणीया । 14  
5. सांख्यकारिकामाश्रित्य पुरुषबहुत्वसाधनाय युक्तयः व्याख्येयः । 14  
6. तर्कभाषामनुसृत्य प्रमाणस्वरूपं तद्भेदांश्च निरूपणीयम् । 14  
7. तर्कभाषामाश्रित्य कारणस्वरूपं तद्भेदांश्च प्रतिपादनीयम् । 14  
8. अघोलिखितस्य व्याख्या कार्या : 7 × 2

( क ) दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतो ।  
दृष्टे साऽपार्था चेन्नैकान्तात्यन्ततोऽभावात् ॥

( 4 )

अथवा

प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः ।  
अन्योन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्तयश्च गुणाः ॥

( ख ) व्याप्तिबलेनार्थगमकं लिङ्गम् ।

अथवा

वाक्यं त्वाकांक्षायोग्यतासन्निधिमतां पदानां समूहः ।

http://www.vbuonline.com

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से